

प्रेरितिक उत्तराधिकार

सत्तर में से एक प्रेरित संत त्रुफिमुस से वर्तमान समय तक

इस उत्तराधिकार-क्रम में

बिशप*

Garland F. Byers, Jr., J.D., D.D.‡

जातियों के लिए बिशप, प्रेरितिक आदेश के अधीन

1. संत त्रुफिमुस, सत्तर में से एक प्रेरित CO

लगभग 30 ई. में सत्तर चेलों में से एक के रूप में मसीह द्वारा भेजे गए (लूका 10:1)

पवित्रशास्त्र में उल्लेख: “इफिसुस वासी त्रुफिमुस”, संत पौलुस के साथी (प्रेरितों के काम 20:4; 21:29; 2 तीमुथियुस 4:20)

उस कलीसिया की परंपरा के अनुसार, आर्ल के प्रथम बिशप

यह प्रेरितिक उत्तराधिकार-क्रम लगभग 30 ई. में प्रेरित त्रुफिमुस से आरंभ होकर आज तक चला आता है – 2026 तक 1,996 वर्षों की अवधि।

संत पौलुस के साथी संत त्रुफिमुस को पूर्वी ऑर्थोडॉक्स कलीसिया सत्तर में से एक प्रेरित के रूप में सम्मानित करती है; वह 15 अप्रैल को प्रेरित अरिस्तर्खुस और पूदेंस के साथ उनका पर्व मनाती है, और उन्हें उन सत्तर प्रेरितों में गिनती है जिनका 4 जनवरी को एक साथ सम्मान किया जाता है। आर्ल की कलीसिया संत त्रुफिमुस को अपना संस्थापक और प्रथम बिशप मानती है, जिन्हें रोम से भेजा गया था, जैसा कि पोप संत ज़ोसिमुस ने 417 ई. में लिखा, और संत पौलुस के शिष्य के रूप में उनके प्रति श्रद्धा रखती है; रोमन कैथोलिक कलीसिया 29 दिसंबर को आर्ल के संत त्रुफिमुस का पर्व मनाती है।

उनके बाद के जीवन के विषय में कलीसियाओं की परंपराएँ भिन्न हैं। ऑर्थोडॉक्स परंपरा बताती है कि संत पौलुस के साथी ने नीरो के अधीन रोम में अपने प्राण दिए, जबकि आर्ल की कलीसिया उन्हें अपना संस्थापक बिशप मानती है; और टूर्स के संत ग्रेगरी ने, लगभग 590 ई. में, त्रुफिमुस के आर्ल-मिशन को तीसरी शताब्दी में रखा।

बिशप-पद पर अभिषेक, एक से अगले को, नीचे नामित कलीसियाओं के माध्यम से किए गए।

इस उत्तराधिकार-क्रम के कुछ बिशप संतों के रूप में भी सम्मानित हैं। उनके नामों के पास दिए गए चिह्न केवल जीवन की पवित्रता से संबंधित हैं। वे किसी भी अभिषेक की वैधता पर कोई प्रभाव नहीं डालते: सूची में दिया गया प्रत्येक बिशप उत्तराधिकार में समान रूप से अपना स्थान रखता है, चाहे वह संत के रूप में सम्मानित हो या न हो।

संत संत: वह व्यक्ति जिसे कोई कलीसिया सार्वजनिक रूप से इस रूप में सम्मान देती है कि उसने वीरतापूर्ण पवित्रता का जीवन जिया और अब वह परमेश्वर के साथ है, और जिसकी स्मृति वह अपने पंचांग में रखती है। आरम्भिक कलीसिया में संतों को विश्वासियों और उनके बिशपों की सार्वजनिक स्वीकृति द्वारा मान्यता मिलती थी; बाद में, रोमन कैथोलिक कलीसिया में औपचारिक संत-घोषणा (canonization) द्वारा और पूर्वी ऑर्थोडॉक्स कलीसिया में महिमाकरण (glorification) द्वारा।

धन्य धन्य: रोमन कैथोलिक कलीसिया में, वह व्यक्ति जिसे धन्य घोषित किया गया है (beatification); यह संत घोषित किए जाने से पहले का औपचारिक चरण है।

C रोमन कैथोलिक कलीसिया द्वारा संत या धन्य के रूप में सम्मानित।

CO रोमन कैथोलिक और पूर्वी ऑर्थोडॉक्स दोनों कलीसियाओं द्वारा संत के रूप में सम्मानित।

लाल शहीद: वह जिसने विश्वास के लिए अपने प्राण दिए।

कौन संत है, इस पर कलीसियाएँ सदा सहमत नहीं होतीं। एक कलीसिया किसी ऐसे व्यक्ति को सम्मान दे सकती है जिसे दूसरी नहीं देती, और चिह्न दर्शाते हैं कि प्रत्येक को कौन-सी कलीसिया सम्मान देती है।

आर्ल

गॉल में आर्ल का पीठ, जिसकी स्थापना संत त्रुफिमुस ने की। आर्ल के बिशप, उनके उत्तराधिकारी Dionysius से Virgilius तक। इसी पीठ से संत ऑगस्टीन ने इंग्लैंड के अपने मिशन के लिए बिशप-पद पर अभिषेक प्राप्त किया।

2. Dionysius 80
3. Regulus 85
4. Felicissimus 100
5. Gratus 120
6. Ambrosius 145
7. Martinus 170
8. Ingenuus 180
9. Augustinus 200
10. Hieronymus 220
11. Savitius 230
12. Marcianus 240
13. Victor 250
14. Marinus 270
15. Martinus II 270
16. Nicasius 330
17. Valentinus 342
18. Saturninus 354
19. Crescentius 365
20. Concordius 380
21. Constantinus 392
22. Heros 410
23. Patroclus 422
24. संत Honoratus CO 426
25. संत Hilarius CO 438
26. Ravennius 449
27. Leontius 463

28. Aeonius 493
29. संत Caesarius CO 502
30. Auxanius 542
31. संत Aurelianus CO 546
32. Sapaudus 556
33. Licerius 586
34. संत Virgilius CO 588

कैंटरबरी

कैंटरबरी का पीठ, जिसकी स्थापना संत ऑगस्टीन ने की, जिन्हें पोप संत ग्रेगरी महान ने 597 में अंग्रेज़ों तक सुसमाचार पहुँचाने के लिए भेजा।

35. कैंटरबरी के संत ऑगस्टीन CO 597
36. संत Laurence CO 604
37. संत Mellitus CO 619
38. संत Justus CO 624
39. संत Honorius CO 627
40. संत Deusdedit CO 655
41. तरसुस के संत Theodore CO 668
42. संत Brihtwald CO 693
43. संत Tatwine CO 731
44. संत Nothelm CO 735
45. Cuthbert 740
46. संत Bregowine CO 759
47. Jaenberht 766
48. Æthelhard 793
49. Wulfred 805
50. Feologild 832
51. Ceolnoth 833
52. Æthelred 870
53. Plegmund 890
54. संत Athelm CO 914
55. Wulfhelm 923
56. संत Oda CO 942
57. संत Dunstan CO 960
58. Æthelgar 988
59. Sigeric 990
60. Ælfric 995
61. संत Ælfheah CO शहीद 1006
62. Lyfing 1013
63. Æthelnoth 1020
64. Eadsige 1038
65. ज्यूमिएज के Robert 1051
66. Stigand 1052
67. Lanfranc 1070
68. संत Anselm C 1093
69. Ralph d'Escures 1114
70. William de Corbeil 1123
71. बेक के Theobald 1139
72. संत Thomas Becket C शहीद 1162
73. डोवर के Richard 1174
74. फोर्ड के Baldwin 1185
75. Reginald Fitz Jocelin 1191
76. Hubert Walter 1193
77. Stephen Langton 1207
78. Richard le Grant 1229
79. संत Edmund Rich C 1234
80. सेवॉय के धन्य Boniface C 1245
81. Robert Kilwardby 1273

82. John Peckham 1279
83. Robert Winchelsey 1294
84. Walter Reynolds 1313
85. Simon Mepham 1328
86. John Stratford 1333
87. Thomas Bradwardine 1349
88. Simon Islip 1349
89. Simon Langham 1366
90. William Whittlesey 1368
91. Simon Sudbury 1375
92. William Courtenay 1381
93. Thomas Arundel 1396
94. Henry Chichele 1414
95. John Stafford 1443
96. John Kemp 1452
97. Thomas Bourchier 1454
98. John Morton 1486
99. Henry Deane 1501
100. William Warham 1503
101. Thomas Cranmer 1533

चर्च ऑफ़ इंग्लैंड

धर्मसुधार (Reformation) के बाद, चर्च ऑफ़ इंग्लैंड के बिशप, जिनमें से प्रत्येक को अपने से पहले सूचीबद्ध बिशप ने अभिषिक्त किया।

102. John Scory 1551
103. Matthew Parker 1559
104. Edmund Grindal 1559
105. John Whitgift 1577
106. Richard Bancroft 1597
107. George Abbot 1609
108. George Montaigne 1617
109. William Laud 1621
110. Brian Duppa 1638
111. Gilbert Sheldon 1660
112. Henry Compton 1674
113. William Sancroft 1678
114. Jonathan Trelawny 1685
115. John Potter 1715
116. Thomas Herring 1738
117. Frederick Cornwallis 1750
118. John Moore 1775

अमेरिका

William White से, जिन्हें 1787 में Lambeth Palace में संयुक्त राज्य अमेरिका की कलीसिया के लिए अभिषिक्त किया गया, उन बिशपों तक जिन्होंने यह उत्तराधिकार-क्रम आज तक आगे बढ़ाया है।

119. William White 1787
120. Benjamin Treadwell Onderdonk 1830
121. Samuel Allen McCoskry 1836
122. William Edward McLaren 1875
123. William Montgomery Brown 1898
124. Wallace David de Ortega Maxey 1927
125. Nils Bertil Alexander Persson 1986
126. Samuel Guido, Jr. 2004

Garland F. Byers, Jr.

2013

कैंटरबरी की आर्चबिशप के साथ साझा उत्तराधिकार

कैंटरबरी की वर्तमान आर्चबिशप, सारा मुलाली (Sarah Mullally), और बिशप बायर्स, संत त्रुफिमुस से लेकर Thomas Herring (1738 में अभिषिक्त; 1747–1757 तक कैंटरबरी के आर्चबिशप) तक, एक ही प्रेरितिक उत्तराधिकार-क्रम साझा करते हैं। आर्चबिशप Herring ने अपने ही हाथों से उन बिशपों को अभिषिक्त किया जिनसे ये दोनों उत्तराधिकार-क्रम निकलते हैं: आर्चबिशप मुलाली के उत्तराधिकार-क्रम में, 1748 में Robert Hay Drummond को; बिशप बायर्स के उत्तराधिकार-क्रम में, 1750 में Frederick Cornwallis को।

पवित्र दीक्षा

पुरोहित-अभिषेक

17 अगस्त 2008, हाथ रखकर, St. Paul's Lutheran Orthodox Chapel, पामर्टन, पेंसिल्वेनिया में।

बिशप-पद पर अभिषेक

20 अप्रैल 2013, पवित्र प्रभु-भोज के अनुष्ठान के दौरान हाथ रखकर, St. Paul's Lutheran Orthodox Chapel में, जिसकी सभा उस दिन American Legion Post 16, स्लैटिंगटन, पेंसिल्वेनिया में हुई थी।

प्रमुख अभिषेककर्ता

बिशप Samuel Guido, Jr.

सह-अभिषेककर्ता

बिशप Bradley A. Varvil

बिशप Michael Byus

बिशप James Thompson

सुसमाचार के सेवक के रूप में अभिषेक और बिशप-पद पर अभिषेक के प्रमाण-पत्र, बिशप-पद पर अभिषेक के छायाचित्रों सहित, बिशप के विषय में पृष्ठ पर प्रस्तुत हैं।

सेवा

20 अप्रैल 2013 को Lutheran Orthodox Church, Inc. के भीतर बिशप-पद पर अभिषेक, जिसमें उन्होंने बाद में Western North Carolina धर्मप्रांत के आर्चबिशप के रूप में सेवा की। बिशप बायर्स अब उस संस्था से संबद्ध नहीं हैं।

डॉक्टर ऑफ़ डिविनिटी (मानद, honoris causa), Lutheran Orthodox Church, Inc. द्वारा 20 अप्रैल 2013 को प्रदान की गई।



इस पृष्ठ पर हिंदी में उद्धृत सभी बाइबल-वचन इंडियन रिवाइज्ड वर्जन (IRV) हिंदी, 2019 से लिए गए हैं। कॉपीराइट © 2017, 2018, 2019 Bridge Connectivity Solutions; Creative Commons Attribution-ShareAlike 4.0 International (CC BY-SA 4.0) लाइसेंस के अंतर्गत। पाठ: ebible.org/hin2017। वचनों के अंश उद्धृत किए गए हैं; लोप-चिह्न (...) छोड़े गए अंश दर्शाते हैं। बाइबल के पाठ में कोई अन्य परिवर्तन नहीं किया गया है।

संत त्रुफिमुस, रोमनस्क नक्काशी, बारहवीं शताब्दी, आर्ल में St. Trophime का मठ-प्रांगण। छायाचित्र: SiefkinDR, स्रोत: Wikimedia Commons, छायाकार द्वारा सार्वजनिक डोमेन में जारी; मूल चित्र से काटकर और आकार बदलकर।